



भारत का राजपत्र
The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

शाधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY



सं. ११८]
No. 118]

नई दिल्ली, मंगलवार, जून 2, 1987/ज्येष्ठ 12, 1909
NEW DELHI, TUESDAY, JUNE 2, 1987/JYAISTHA 12, 1909

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

**Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as
a separate compilation**

वाणिज्य मन्त्रालय

आयात व्यापार नियंत्रण

नई दिल्ली, 2 जून, 1987

सर्वजनिह सूचना सं० १८४ आई टो सी (पी एन)/८५-८८

विषय :— 1986-87 वर्ष के लिए 600 मिलियन येन की जापानी अनुदान सहायता के अधीन जापान से उर्वरक (एम ओ पी) के आयात के लिए लाइसेंसिंग शर्तें

मि. स. ग्राईपी सी/23(32)/85-88 —1986-87 वर्ष के लिए 600 मिलियन येन की जापानी अनुदान सहायता के अन्तर्गत जापान से उर्वरक के आयातों को नियंत्रित करने वाली शर्तें जो प्रस्तुत सार्वजनिक सूचना के परिशिष्ट में दी गई हैं, जानकारी के लिए अधिसूचन की जाती हैं।

हस्ताक्षरित

राजीव लोचन मिश्र,

मुख्य नियंत्रक, आयात निर्यात

एस० प० धूपर,

उप मुख्य निर्यातक, आयात निर्यात

वाणिज्य मन्त्रालय की सार्वजनिक सूचना सं 184 आई टी सो (पी एन)/
1985-88 दिनांक 2-6-87 के लिए परिशिष्ट

1986-87 के लिए 600 मिलियन येन (6000,000,000) येन की जापानी अनुदान सहायता के अधीन जापान से भारत में पत्तों के लिए उर्वरक के परिवहन के लिए (क) उर्वरक (एम ओ पी) और (ख) आवश्यक सेवाओं के आयात के लिए लाइसेंसिंग शर्तें।

खण्ड-1 सामान्य शर्तें :

- (1) 1986-87 के लिए 600 मिलियन येन (लागन और भाडा) की जापानी अनुदान सहायता का उद्देश्य भारत में पत्तनो के लिए उर्वरक (एम ओ पी) और इसके परिवहन के लिए आवश्यक सेवाओं के आयात के लिए जापानी संभरकों को भुगतान के वित्तपोषण के लिए है।
- 1 (2) उर्वरक (एम ओ पी) का आगमन खुले सामान्य लाइसेंस के अधीन है।
- 1 (3) उर्वरक (एम ओ पी) इस अनुदान सहायता के अधीन केवल जापान से ही अधिप्राप्त किया जाना चाहिए।
- 1 (4) सविदा में नकद आधार पर अर्थात् बैंक आफ इंडिया, टोकियो को जापानी संभरकों द्वारा पोतलदान दस्तावेजों को प्रस्तुत करने पर भुगतान की व्यवस्था होनी चाहिए। उसमें सुपुर्दगी की अवधि के लिए भी इस प्रकार व्यवस्था होनी चाहिए — “सुपुर्दगी 15-3-1988 तक पूर्ण की जानी है”
- 1 (5) सविदा का मूल्य (केवल लागत तथा भाडा के आधार पर) येन में दर्शाया जाना चाहिए (और येन को भिन्न को हटाया जाना चाहिए) और यदि कोई हो तो भारतीय अधिकर्ता का कमिशन शामिल नहीं किया जाना चाहिए। भारतीय रुपए या अन्य किसी मुद्रा में ठेके का मूल्य किसी भी परिस्थिति में अभिव्यक्त नहीं होना चाहिए। जहाज पर्यन्त निशुल्क लागत बीमा भाडा और भाडा धनराशि अलग अलग प्रदर्शित की जा

सकती है, परन्तु ठेके में यह बात स्पष्ट करनी चाहिए कि भाड़े का खर्चा वास्तविक आधार पर देय होगा या ठेके में निविष्ट किए गए भाड़े का खर्च वास्तविक खर्चों के प्रतिरूप देय धनराशि होगी।

- 1(6) ऋय संविदा केवल जापानी राष्ट्रिकों अथवा राष्ट्रिकों द्वारा नियमित जापानी मूल व्यक्तियों के साथ की जानी चाहिए।

खंड 2—संभरण ठेकों में निम्नलिखित शर्तों विशेष रूप से समाविष्ट होनी चाहिए :

- 2(1) 1986-87 के लिए 600 मिलियन येन की अनुदानसहायता से संबंध इस संविदा की व्यवस्था 30 मार्च, 1987 को भारत और जापान की सरकार के बीच हुए समझौते के अनुसार की गई है और यह दोनों सरकारों के अनुमोदन के अधीन होगी।
- 2(2) विदेशी संभरणों को भुगतान उस "भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र" (ए/पी) के माध्यम से किया जाएगा जो 1986-87 के लिए जापानी अनुदान सहायता के अधीन बैंक आफ इंडिया टोकियो के नाम में सहायता एवं लेखा परीक्षा नियंत्रक, वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग, यू सी ओ बैंक बिल्डिंग पार्लियामेंट स्ट्रीट, नई दिल्ली-110001 द्वारा जारी किया जाएगा।
- 2(3) जापानी संभरण ऐसी सूचना और दस्तावेजों को प्रस्तुत करने के लिए सहमत होगा जो एक ओर भारत सरकार द्वारा और दूसरी ओर जापान सरकार द्वारा प्रेषित हो।
- 2(4) जापानी संभरण भारतीय दूतावास, टोकियो के परामर्श से पोतलवान की व्यवस्था करने को तैयार है और उसके लिए संबंधित माल की सुपुर्वी के कार्यक्रम की भारतीय दूतावास, टोकियो को सूचना देगा और प्रेषित पोत परिवहन के लिए छः सप्ताह पहले ही भारतीय दूतावास, टोकियो को अधिसूचित करवायेगा जिससे उचित व्यवस्था की जाए। विशेष मामलों में, जहां भारतीय आयातक खण्ड चाहता हो, अधि-सूचना की अवधि कम की जा सकती है। आवश्यक व्योरे देते हुए प्रत्येक पोतलवान के बाद जापानी संभरण को आयातक के केवल सूचना भेजने के लिए सहमत होना चाहिए और उसकी एक प्रति भारतीय दूतावास, टोकियो को भेजी जानी चाहिए।

खण्ड-3 भारत सरकार और जापान द्वारा ठेके का अनुमोदन :

- 3(1) जैसे ही आदेशों को अंतिम रूप दे दिए जाते हैं, लाइसेंसधारी को दोनों पार्टियों द्वारा विधिवत हस्ताक्षरित ठेके की पांच प्रतियां या जापानी संभरणों को भारतीय आयातक द्वारा दिए गए ऋय आदेश के साथ जापानी संभरण द्वारा लिखित रूप में पुष्टिकरण आदेश की चार प्रतियां या सभी प्रकार से पूर्ण फोटो दो प्रतियों के साथ अनुबंध-1 के प्रपत्र में "ए/पी जारी करने के आवेदन" की प्रतियों सहित प्रवर सचिव (टी सी) आर्थिक कार्य विभाग, वित्त मंत्रालय, नार्थ ब्लॉक नई दिल्ली को भेजनी चाहिए। उपर्युक्त प्रक्रिया संविदा की विषय वस्तु या उसकी कीमत के आवश्यक आशाधनों से उत्पन्न सभी संविदा संशोधनों के लिए भी लागू होगी।
- 3(2) वित्त मंत्रालय (सी ई ए) जापानी अनुभाग 1986-87 के लिए 600 मिलियन येन की जापानी अनुदान सहायता के अधीन वित्तदान देने के लिए संविदा की दो प्रतियां जापान सरकार को अनुमोदन के लिए भेजेंगे और इसके साथ साथ उपर्युक्त (1) में उल्लिखित दस्तावेजों का एक एक नई लेखा व लेखा परीक्षा नियंत्रक और भारत के दूतावास, टोकियो को भी भेजा जायेगा।

- 3(3) जापान सरकार से ठेका अनुमोदन प्राप्त करने के बाद वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग के जापान अनुभाग नार्थ ब्लॉक, उसकी सूचना यू सी ओ बैंक बिल्डिंग, सब मार्ग, नई दिल्ली-110001 को देगा जो कि जापानी संभरण को भुगतान करने के लिए बैंक आफ इंडिया, टोकियो को अनुबंध-2 के अनुसार एक "भुगतान प्राधिकार पत्र" (ए/पी) जारी करेगा। प्राधिकार पत्र (ए/पी) की प्रतियां भारत का दूतावास, टोकियो आयातक, भारत में आयातक के बैंक और वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग के जापान अनुभाग को भेजी जाएंगी।

- 3(4) भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र (ए/पी) की प्राप्ति के बाद बैंक आफ इंडिया, टोकियो जापान सरकार, भारत का राज-दूतावास टोकियो, भारत में आयातक के बैंक और सहायता लेखा एवं लेखा परीक्षा नियंत्रक को सूचना देते हुए इस प्राप्ति की सूचना से संभरण को प्रवर्गन कराएगा।

- 3(5) पोतलवान करने के बाद जापानी संभरण अपने बैंकों के माध्यम से ए/पी में उल्लिखित दस्तावेज बैंक आफ इंडिया, टोकियो को प्रस्तुत करेगा। यदि दस्तावेज सही पाए गए तो बैंक आफ इंडिया, टोकियो दस्तावेजों में उल्लिखित धनराशि जापानी संभरण को अपने बैंकों के माध्यम से रिहा करेगा।

- 3(6) जापानी संभरण को भुगतान की व्यवस्था करने के लिए बैंक आफ इंडिया, टोकियो को देय बैंक खर्च भारत सरकार के लेखों को प्रभावित किए बिना सामान्य बैंक प्रणाली के माध्यम से भारत में आयातक से संबंध बैंक आफ इंडिया, टोकियो को धन परेषण करके निर्णीत किया जायेगा।

खण्ड 4—रुपया जमा करने का उत्तरदायित्व :

4(1) मूल विनियम पोत परिवहन दस्तावेज निस्स्वाव रूप से बैंक आफ इंडिया, टोकियो द्वारा भारत में आयातक के संबंध बैंक को भेजे जाएंगे जो भारतीय स्टेट बैंक या किसी भी राष्ट्रीयकृत बैंक जो अनुबंध 1 के 'ग' में उल्लिखित है, को शाखा होगी उस बैंक को दस्तावेजों के वै विनियम सेट केवल इस बात का सुनिश्चय कर लेने के बाद ही संबंध आयातक को देने चाहिए कि जापानी संभरण को चुकाई गई येन भुगतान की धनराशि के बराबर रुपया उन मामलों में जहां देने योग्य है ब्याज के खर्च सहित संभरण को भुगतान कर दिया है और उन धनराशि पर विदेशी संभरण को बैंक आफ इंडिया, टोकियो द्वारा भुगतान की तिथि से वास्तविक रुपया जमा करने की तिथि तक ही अवधि पर पहले 30 दिनों के लिए 12 प्रतिशत प्रति वर्ष की दर से और शेष अवधि के लिए 18 प्रतिशत प्रतिवर्ष की दर से हिमाव लगाकर ब्याज सार्वजनिक सूचना सं. 31-मार्च टी सी (पी एन)/83-दिनांक 10-8-83 और सं. 35-मार्च टी सी पी (एन)/83, दिनांक 26-8-83 के अनुसार सरकारी लेखा में जमा कर दिया गया है। ब्याज दोनों दिनों, अर्थात् जिस दिन जापानी संभरण को भुगतान किया जाता है और जिस दिन सरकारी लेखों में रुपया जमा किया जाता है के लिए देय है। देखिए सार्वजनिक सूचना सं. 103-मार्च टी सी (पी एन)/76 दिनांक 12-10-76 द्वारा संशोधित सार्वजनिक सूचना सं. 74-मार्च टी सी (पी एन)/74 दिनांक 31-5-1974 भुगतानों की येन भुगतान की धनराशि के बराबर रुपय की गणना करने के लिए अपनाई जाने वाली विनियम दर मुख्य नियंत्रक, आयात निर्यात की सार्वजनिक सूचना सं. 8-मार्च टी सी (पी एन)/76, दिनांक 17-1-76 में निर्धारित मूद्रा विनियम की मिश्रित दर होगी या वह दर होगी जो कि मुख्य नियंत्रक, आयात निर्यात की सार्वजनिक सूचनाओं के माध्यम से या भारतीय रिजर्व बैंक के मूद्रा विनियम नियंत्रण परिषदों के माध्यम से सरकार द्वारा समय-समय पर अधिसूचित की जाए। इस संदर्भ में कोई भी परिवर्तन जब और जैसे ही आवश्यक होगा अधिसूचित कर दिया जायेगा। इस बात का सुनिश्चय करने का उत्तरदायित्व संबंध भारतीय बैंक का होगा कि आयात दस्तावेज आयातकों को सौंपने से पहले ही देय धनराशि

सरकारी लेखों में मही रूप से जमा कर दी गई है। आयातक को भी यह सुनिश्चय कर देना चाहिए कि असाधारण परिस्थितियों में सीमाशुल्क प्राधिकारियों से मूल पोत परिवहन दस्तावेजों के बिना माल का विवरण प्राप्त कर लेने पर धनराशि सरकारी लेखों में शोध जमा करा दी गई है। जिस लेखा शीर्ष में उपर्युक्त रुपया जमा करना चाहिए यदि आयातक माल की सुपुर्दगी लेने से पहले सरकार को देय धनराशि जमा करने में अग्रसर रह जाना है तो उसे और प्राधिकार पत्र जारी करना रोक दिया जाए।

जिस लेखा शीर्ष में उपर्युक्त रुपया जमा करना चाहिए वह "के-डिपोजिटम एंड एडवांस 843 निचिन डिपोजिटस—डिपोजिटम फार परवेंजिग एटसीक्रेटा एवार्ड—परवेंजिग ग्रन्डर प्रांट एंड फ्राम दी गवर्नमेंट आफ जापान" फार 1986-87 ग्रांट फार परवेंजिग आफ दि फटिलाइज्जर मविसेज फार दि परवेंजिग आफ इंकीजिग फूड प्रोडक्शन इन इंडिया होगा।"

4(2) चालान के बाएँ कोने में कोड सं. 5130000009 दर्शाते हुए उल्लिखित धनराशि या तो भारतीय रिजर्व बैंक, नई दिल्ली में या स्टेट बैंक आफ इंडिया, लीमिटेड, दिल्ली में सरकार की साख में नकद जमा होनी चाहिए, या यदि यह सुविधाजनक न हो तो स्टेट बैंक आफ इंडिया की किसी शाखा या इसके उपसर्गी किसी भी राष्ट्रीयकृत बैंक (टुण्डो कर्नी) में प्राप्त एक टुण्डो (डिमाण्ड ड्राफ्ट) के माध्यम से स्टेट बैंक आफ इंडिया, लीमिटेड, शाखा, दिल्ली-5 (टुण्डो ग्राह्य और प्राप्त) में सार्वजनिक सूचना सं. 184-जी ई टी सी (पी एन)/68, दिनांक 30-8-68 सं. 233-आई टी सी (पी एन)/68, दिनांक 24-10-68 सं. 132-आई टी सी (पी एन)/81-दिनांक 5-10-71, सं. 74-आई टी सी (पी एन)/74, दिनांक 31-5-74 और सं. 103-आई टी सी (पी एन)/76, दिनांक 12-10-76 में यथा निर्धारित सरकारी लेखों में जमा करने के लिए धन परेषण करना चाहिए।

4(3) सरकार द्वारा ऐसी मांग किए जाने के बाव मान दिनों के भीतर संबद्ध भारतीय बैंक भी पर निर्धारित तरीके से वह अतिरिक्त धनराशि सेवा खर्चों के निमित्त भेजेगा जो भारत सरकार द्वारा मांगी जाए। चालान के विभिन्न कालखंडों को भरते समय आयातकों/उनके बैंकों को इस बात का सुनिश्चय कर लेना चाहिए कि सार्वजनिक सूचना सं. 103-आई टी सी (पी एन)/76, दिनांक 12-10-75 के साथ पढ़ी जाने वाली सार्वजनिक सूचना सं. 132-आई टी सी (पी एन)/71, दिनांक 5-10-71 के पैरा 2 में निर्धारित सूचना और सार्वजनिक सूचना सं. 74-आई टी सी (पी एन)/74, दिनांक 31-5-74 में भी निर्धारित सूचना चालान के काममें "धनपरेषण और प्राधिकारी (यदि कोई हो) के पूर्ण हस्ताक्षरों" में निरपवाद रूप में निविष्ट किए गए हैं। खजाना चालान में निम्नलिखित व्योरे निरपवाद रूप में प्रस्तुत करने चाहिए :—

- (क) वित्त मंत्रालय भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र (ए पी) की सं. और दिनांक
- (ख) येन मुद्रा की बहुधनराशि जिसके संबंध में अग्रवाई गई परिवर्तन की दर के साथ निक्षेप किए जाने हैं
- (ग) जापानी संभरक को भुगतान करने की तिथि
- (घ) चुकाए गए ब्याज की धनराशि और वह अवधि जिसके लिए यह गिना गया है।
- (ङ) जमा की गई कुल धनराशि।

(ब्याज की गणना जापानी संभरक को भुगतान की तिथि से सरकारी लेखों में समसुध्द रुपया जमा कराने की तिथि तक की अवधि के लिए की जानी है)।

उसके पश्चात् सी ए ए द्वारा जारी किए गए भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र का संदर्भ देते हुए और बीजक तथा पोत परिवहन दस्तावेजों की

प्रतियों को संलग्न करते हुए खजाना चालान रुपया जमा करने का सकय देते हुए पंजीकृत डाक द्वारा सी ए ए एण्ड ए की भेजा जाना चाहिए।

टिप्पणी :—भारत में आयातक बैंक को यह सुनिश्चय करना चाहिए कि रुपए का निक्षेप बैंक आफ इंडिया, टोकियो से अदायगी की सूचना और अपरिवर्तनीय पोतलदान दस्तावेजों की प्राप्ति के 10 दिनों के भीतर निरपवाद रूप से किया जाना चाहिए और यह कि इसके तत्काल बाद सी ए ए एण्ड ए वित्त मंत्रालय (प्राधिकार्य विभाग), नई दिल्ली को सूचित कर दिया जाएगा।

4(4) भारत में संबद्ध बैंक आफ इंडिया, को लाइसेंस की मुद्रा विनियम निर्देशन प्रति पर रुपया निक्षेपों की धनराशि का पृष्ठांकन करना चाहिए। अश्विक्त "एन" प्रवर्त भारतीय रिजर्व बैंक, बम्बई को भेजना चाहिए।

खण्ड 5—विविध प्रावधान :

5(1) अनुदान सहायता के उपयोग की रिपोर्टें

संभरक को दी गई धनराशि और किए गए भुगतान की विधियों का पता करने के लिए आयातकों को भ्रम व्यवस्थाएं करनी चाहिए। आयातकों के बैंक द्वारा पोतलदान आदि दस्तावेजों की देरी अथवा क्लिष्ट से प्राप्ति जमा किए गए रुपए पर देय ब्याज की आंशिक अथवा पूर्ण धनराशि को माफ करने के रूप में स्वीकार नहीं होगी।

भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र जारी होने के बाद आयातक को पोतलदानों और उसके अधीन किए गए भुगतान के संबंध में और जो पोतलदान होने बाकी हैं उनके विषय में एक मासिक रिपोर्ट सी ए ए एण्ड ए आर्थिक कार्य विभाग, वित्त मंत्रालय, यू. सी ओ बैंक विनिर्देश, ससय मार्ग, नई दिल्ली को भेजनी चाहिए।

5(2) आयातक को चाहिए कि वह इस अनुदान सहायता के अन्तर्गत माल के आयात से संबंधित किसी ऐसी विशेष शर्त से संभरक को अवगत कराए जो समझौते का पालन करने में संभरकों पर प्रभाव डालती हो।

5(3) विवाद

यह समझ लेना चाहिए कि आयातक और संभरकों के बीच यदि कोई विवाद उठेगा तो उसके लिए भारत सरकार कोई उत्तरदायित्व नहीं लेगी, बैंक आफ इंडिया, टोकियो द्वारा भुगतानों से पूर्व संभरक द्वारा पूरी की जाने वाली शर्त साफ-माफ "भुगतानों से नियमों में" अनुबन्ध 1 में आयातक द्वारा दर्शाई जानी चाहिए। विवादों से निपटने की शर्त ठेके की शर्तों में शामिल होनी चाहिए।

5(4) भविष्य अनुदेश

आयातों या उसके संबंध में उत्पन्न किसी मालले या सर्वा मामलों से संबंधित आपान से 1986-87 के लिए अनुदान सहायता के अधीन सभी आयात को पूर्ण करने के लिए भारत सरकार द्वारा समय समय पर जारी किए गए निर्देशों या अनुदेशों या आदेशों का आयातक को तुरन्त पालन करना होगा।

5(5) अतिक्रमण या उत्सवधन

उपर्युक्त खण्डों में निर्धारित की गई शर्तों के अतिक्रमण या उत्सवधन करने पर आयात नियान (नियंत्रण) अधिनियम के अधीन उचित कार्रवाई की जाएगी।

5(6) अनुबंधों की सूची

अनुबन्ध—1 भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र (एपी) जारी करने के लिए आवेदन करने का पत्र

अनुबन्ध—2 भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र (ए/पी) का प्रपत्र

अनुबन्ध—1

“भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र जारी करने के लिए प्रार्थना पत्र”
संख्या.

दिनांक

सेवा में

सहायता लेखा तथा लेखापरीक्षा नियंत्रक,
वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग,
यू. सी. ओ. बैंक बिल्डिंग, प्रथम मंजिल,
पालियामेंट स्ट्रीट, नई दिल्ली-110001

विषय:— 1986-87 के लिए येन 600 मिलियन की आपानी
अनुदान सहायता के अंतर्गत जापान से भारत में पत्तनों पर
उर्बरक के परिवहन के लिए उर्बरक और आवश्यक सेवाओं
का आयात।

महोदय,

ऊपर उल्लिखित अनुदान सहायता के अधीन जापान में उर्बरक के
आयात के संबंध में हम आपको निम्नलिखित ध्योरा भेजते हैं जिससे कि
आप संबंध आपानी संभरक के पत्र में बैंक आफ इंडिया, टोकियो के
भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र (ए/पी) जारी कर सकें:—

- (क) भारतीय आयातक का नाम और पता
- (ख) आयात लार्सेंस की सं., दिनांक और मूल्य और वह तिथि
जब तक यह वैध है।
- (ग) अधिप्राप्ति के तरीके। क्या वह प्रत्यक्ष खरीद पर आधारित
है या सीमित खुली निविदा पर आधारित है। इस मामले में
कारणों सहित यह निर्दिष्ट करना है कि क्या संविदा का
निर्णय उपर्युक्त तकनीकी प्रस्ताव के आधार पर किया गया है।
- (घ) माल का संक्षिप्त विवरण
- (ङ) माल का उद्गम देश
- (च) संविदा का कुल लागत और भाड़ा मूल्य (येन में)।
- (छ) यदि कोई हो, तो, भारतीय रुपए में भारतीय एजेंट के कमीशन
की धनराशि (येन में)
- (ज) वह शुद्ध लागत तथा भाड़ा मूल्य (येन में) जिसके लिए
भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र की आवश्यकता है।
- (झ) जापानी संभरकों के साथ की गई संविदा का नाम और दिनांक
- (ञ) जापानी संभरक का नाम और पता
- (ट) वे भुगतान और संभावित तिथि जिनकी संविदाओं के
अंतर्गत भुगतान देय होंगे।
- (ठ) माल की सुपुर्वगी पूर्ण करने की प्रत्याशित तिथि या
- (ड) बैंक आफ इंडिया, टोकियो को भुगतान करते समय प्रस्तुत
किए जाने वाले दस्तावेज (प्रत्येक सैंट की संख्या और उनका
निपटान) दर्शाते हुए।
- (क) पोतलदान अनुदेश (अनुनय या गैर अनुनय बाह्यमातरण/
आंशिक पोतलदान निविष्ट कीजिए।
- (ख) भारत में आयातक बैंक का नाम और पता।
- (त) कृपया यह स्पष्ट करें कि भारतीय बैंक, टोकियो के बैंकिंग
प्रभारों को कौन सहन करेगा—आयातक अथवा संभरक।

(*) आयातक द्वारा बचतबद्धता:— हम सतद्वारा वचन देते हैं कि हम
विदेशी संभरक को देय धनराशि के समतुल्य रुपए की पूर्ण धनराशि
को सरकार द्वारा निर्धारित क्रियाविधि से और प्रचलित दर पर
सही रूप से जमा करवा देंगे माल (आयातित
सामग्री के प्रत्येक परेषण की सुपुर्वगी प्राप्त करने से पूर्ण
राशि सीधे ही जमा करवा दी जाएगी। विदेशी राष्ट्रों की
सेवाओं के लिए भुगतान के मामले में जैसे ही हमारे द्वारा
विदेशी संभरक के संगत बीजक अनुमोदित किए जाते हैं, और
संभरक को भुगतान किया जाता है वैसे ही राशि जमा करवा
दी जाएगी।”

(लेखा अधिकारी)

अनुबन्ध—1

भुगतान के लिए प्राधिकरण सं.

संख्या ————— एक

भारत सरकार
वाणिज्य मंत्रालय
आर्थिक कार्य विभाग
नई दिल्ली, दिनांक

सेवा में

बैंक आफ इंडिया
टोकियो शाखा,
टोकियो (जापान)

विषय:— 1986-87 के लिए येन 6000 मिलियन की जापान अनुदान
सहायता के अंतर्गत जापान से भारत में पत्तनों के लिए उर्बरक
के परिवहन के लिए उर्बरक और आवश्यक सेवाओं का आयात
भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र जारी करना।

प्रिय महोदय,

आपके बैंक के साथ 27.12.82 को किए गए समझौते की शर्तों
के अनुसार आपको एतद्वारा परिशिष्ट में दिए गए यथा संलग्न
ध्योरे के अनुसार सर्व धी ————— को
————— येन धनराशि के भुगतान के लिए
प्राधिकृत किया जाता है।

2. कृपया भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र (ए/पी) की पाबती के
बारे में संभरक को सूचना दें और इसको प्रत्येक सूचना पत्र की एक प्रति
जापान सरकार, आयातक बैंक, भारत के राजदूतावास, टोकियो और
इस मंत्रालय को पृष्ठांकित की जाए।

3. भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र की शर्तों के अनुसार भुगतान
परिशिष्ट में यथा संकेतित सदान वस्तावेजों के आधार पर किया जाएगा।

4. विदेशी संभरकों को भुगतान करने पर आपको आयातक के
बैंक का और पता) .

को मूल पोतलदान दस्तावेजों (परकाम्य) और इसके साथ साथ दस्तावेजों
का प्रतिरिक्त पूर्ण सैंट और नकद भुगतान सहित, यदि कोई हो, संभरक
को दिए गए भुगतानों के लिए एक डेबिट एडवाइज की एक प्रति सेजनी चाहिए।

5. आयातक द्वारा आपको दस्तावेज संभरकों एवं बैंकों के प्रभार
को भेजने आदि के लिए भाड़े सहित भरा किए जाने वाले बैंकिंग भाड़े
आयातक के बैंक द्वारा सीधे ही निर्धारित किए जाएंगे।

6. जैसे ही आपानी संभरक द्वारा प्रस्तुत किए गए सदान वस्तावेज
आदि के आधार पर आपको द्वारा कोई भी भुगतान किया जाता है तो
इसकी सूचना निर्धारित प्रपत्र में इस मंत्रालय और आयातक के बैंक को
जीम्मे जानी चाहिए।

7. इस मंत्रालय की विशेष अनुमति के बिना भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र के लिए कोई भी संशोधन जारी नहीं किया जा सकता है।

6 यह भुगतान प्राधिकार पत्र ————— तक वैध रहेगा।

9. कृपया संविदा से संबंधित सभी पत्राचार में और भुगतान को दर्शाने वाली एडवाईस में भी भुगतान के लिए इस प्राधिकार पत्र के निम्ने पर दिए गए नम्बर को लिखें।

भबदीय,
(लेखा अधिकारी)

प्रति निम्नलिखित प्रेषित :

1. आयातक.....को उनके पत्र सं..... विनांक.....के संदर्भ में। उनसे अनुरोध किया जाता है कि वे बैंकों से परक्राम्य दस्तावेजों की सुपूर्दगी लेने से पूर्व अपने बैंकों के माध्यम से रुपये निक्षेप भावि को जमा करवाने की व्यवस्था करें। यदि विशेष परिस्थितियों की वजह से मूल परिवहन दस्तावेज प्रस्तुत किए बिना सीमाशुल्क प्राधिकारियों और पत्तन के प्राधिकारियों से माल की सुपूर्दगी सीधे ही प्राप्त कर ली हो, तो बहा सुपूर्दगी प्राप्त करने से पूर्व धनराशि जमा करवानी चाहिए। विदेशी संभरकों द्वारा दी गई सेवाओं के लिए भुगतान के मामले में, जैसे ही भुगतान के लिए बीजक अनुमोदन किए जाते हैं वैसे ही धनराशि जमा करवा देनी चाहिए। शीघ्र ही और सही रूप से धनराशि जमा करवाने में असमर्थ होने पर लाइसेंसिंग शर्तों में उल्लिखित करावाई की जाएगी।

2. आयातक का बैंक.....

(1) यह भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र येन अनुदान के अंतर्गत आयान करने के लिए संबद्ध लाइसेंसिंग शर्तों के अधीन जारी किया गया है। लाइसेंसिंग शर्तों और संबद्ध सार्वजनिक सूचनाएं आदेश आदि को भेजा जाए और आयात/विदेशी भुगतानों के विषय में उचित कारवाई की जाए।

(2) उनसे निवेदन किया जाता है कि भारतीय बैंक आफ इंडिया, टोकियो ब्रांच से दस्तावेज प्राप्त करने पर जापानी संभरकों को येन भुगतान के बराबर रूपया जमा करने की व्यवस्था करें। संभरकों को चुकाई गई धनराशि के बराबर रुपये की गणना सार्वजनिक सूचना सं. 8-आई टी सी (पी एन)/76, दिनांक 17-1-76 या अन्य ऐसी सार्वजनिक सूचना जो समय-समय पर जारी की जाए, के अनुसार विदेशी संभरकों को भुगतान करने की तिथि की यथा प्रचलित परिवर्तन मिश्रित दर पर की जाएगी। विदेशी संभरक को भुगतान करने की तिथि से भारतीय बैंक को अवगमनी करने की तिथि तक सरकार के लेखों में तुल्य रूपया जमा करने की अवधि के लिए सार्वजनिक सूचना सं. 31-आई टी सी (पी एन)/83, दिनांक 10-8-83, 35-आई टी सी (पी एन)/83, दिनांक 26-8-1983 के अनुसार पहले 30 दिनों के लिए 12% वार्षिक दर पर और इससे अधिक की गणना की गई अवधि के लिए 18% की दर से व्याज भी सरकारी लेखों में जमा करना होगा। व्याज दोनों विनों के लिए देय होगा अर्थात् वह तिथि जिसको विदेशी संभरक को भुगतान किया जाता है और वह तिथि भी जिस दिन सरकारी लेखों में रूपया निक्षेप किया जाता है। (यदि इस दर में कोई परिवर्तन होगा तो इसकी सूचना तुरंत दी जाएगी)।

इस बात का सुनिश्चित कर लेना चाहिए कि सीमाशुल्क निकासी के लिए आयातक दो दस्तावेज का मूल सैट दिए जाने से पूर्व यह धनराशि जमा कराई जाती है।

(3) बालान के दाएं कोने में कोड नं० 5120000099 दर्शाने हुए ये धनराशियां या तो रिजर्व बैंक आफ इंडिया, नई दिल्ली या स्टेट बैंक आफ इंडिया, तीस हजारी, दिल्ली में जमा करनी चाहिए या स्टेट बैंक आफ इंडिया की किसी शाखा या इसकी अनुपंगो संस्थाओं या किसी भी राष्ट्रीयकृत बैंक से उनके द्वारा प्राप्त की गई स्टेट बैंक आफ इंडिया, तीस हजारी शाखा, दिल्ली-6 (प्रादेशिक और आदाना) के नाम में और उसकी देय दर्शनी टुण्डी के माध्यम से करनी चाहिए। इस संबंध में आपका ध्यान सार्वजनिक सूचना सं. 233-आई टी सी (पी एन)/68, दिनांक 24-10-68, सं. 132-आई टी सी (पी एन)/71- दिनांक 5-10-71, सं. 74-आई टी सी (पी एन)/74, दिनांक 31-5-74 और सं. 103-आई टी सी (पी एन)/76, दिनांक 12-10-76 की शर्तों की ओर दिलाया जाता है। लेखा शीर्ष जिसमें धनराशि जमा की जाएगी वह "के डिपोजिट एण्ड एंजावांसिज-843 मिबिल डिपोजिट—डिपोजिटस फार परचेजिस एंडसैकट्रा एंजाड परचेजिस/ग्राण्ट एंड फ्रीम दि गवर्नमेण्ट आफ जापान फार 1986-87" अन्डर डिटेल्ड है "600 मिलियन येन ग्राण्ट एण्ड फार परचेज आफ फर्टिलाजर स्टॉक सर्विसेज फार दि परपज आफ इन्फिजिंग फूड प्रोडक्शन इन इंडिया है"।

(4) जिन मामलों में तुल्य रूपया रिजर्व बैंक आफ इंडिया, नई दिल्ली या स्टेट बैंक आफ इंडिया, तीस हजारी में सार्वजनिक भुवना सं. 132-आई टी सी (पी एन)/71, दिनांक 5-10-71 के अनुसार नकद जमा किया जाता है उनमें बालान की मूल रूप में एक प्रतिनिधि बैंक आफ इंडिया, टोकियो शाखा से प्राप्त सूचना टिप्पणी का पूर्ण विवरण देते हुए प्रेषण पत्र सहित उनके द्वारा निम्नलिखित पते पर भेजी जाएगी:—

"लेखा तथा लेखा परीक्षा निष्पन्न,
वित्त मंत्रालय (प्राधिकार्य विभाग),
पहली मंजिल, यू सी ओ बैंक बिल्डिंग,
समर मार्ग, नई दिल्ली 110001

(5) जिस मामले में तुल्य रूपया ऊपर संकेतित सार्वजनिक सूचना दिनांक 24-10-68 में यथा उल्लिखित दर्शनी द्वारा प्रेषित करना है उसकी सूचना उपर्युक्त पते पर भेजी जानी चाहिए। सभी मामलों में व्याज की चुकाई गई धनराशि और जिस अवधि के लिए व्याज की गणना की गई है और उसके साथ जमा किए गए तुल्य रूपया का पूरा व्यौरा इस विभाग को भेजना चाहिए।

(6) समुद्रपार संभरक के बैंक के खातों सहित यदि कोई हो तो, बैंकिंग खातों और बैंक आफ इंडिया, टोकियो ब्रांच के अन्य खातों इंडियन बैंक और बैंक आफ इंडिया, टोकियो शाखा द्वारा सीधे ही निर्धारित किए जाएंगे।

(7) विदेशी मुद्रा में प्राधिकृत व्यापारी के रूप में बैंक के कर्तव्यों और उम्तरदायित्वों को भारतीय रिजर्व बैंक के विभिन्न एंडो परिपत्रों में निर्धारित किए गए हैं। इस संबंध में विशिष्ट संदर्भ एंडो परिपत्र सं..... दिनांक.....को ध्यानीय करना है।

3. भारतीय दूतावास, टोकियो।

4. अवर सचिव, (जापान शाखा), वित्त मंत्रालय, प्राधिकार्य विभाग, नई दिल्ली को उनके आई टी सं..... दिनांक..... के संदर्भ में।

(लेखा अधिकारी)

MINISTRY OF COMMERCE

IMPORT TRADE CONTROL

Public Notice No. 184 ITC(PN)|85-88

New Delhi, the 2nd June, 1987

Subject: Licensing conditions for import of Fertilizer (MOP) from Japan under the Japanese grant aid of Yen 600 million for the year 1986-87.

F. No. IPC|23(32)|85-88.—The terms and conditions governing imports of Fertiliser (MOP) from Japan under the Japanese Grant Aid of Yen 600 million for the year 1986-87 as given in Appendix to this Public Notice are notified for information.

R.L. MISRA, Chief Controller of Imports and Exports

S. P. DHUPAR, Dy. Chief controller of Imports and Exports

Appendix to the Ministry Commence Public Notice No. 184-ITC(PN)|85-88 dt. 2-6-87.

Licensing Conditions for import of (a) fertilizer (MOP) and (b) Services necessary for the transportation of the fertilizer to ports in India from Japan under Japanese Grant Aid for 1986-87 of Yen 600 million (600,000,000).

Section I—General Conditions

I(i) The Japanese Grant Aid for 1986-87 of yen 600 million (C&F) is intended to be used for financing payments to Japanese Suppliers for import of fertilizer (MOP) and services necessary for the portation thereof to ports in India.

I(ii) The import of fertilizer (MOP) is covered under OGL.

I(iii) The fertilizer (MOP) should be procured only from Japan under this Grant Aid.

I(iv) The contract should provide for payment on cash basis i.e. on presentation of shipping documents by the Japanese suppliers to the Bank of India, Tokyo. It should also provide for the period of delivery as follows :—

“delivery to be completed by 15-3-1988”.

I(v) The contract value (C&F basis only) should be expressed in Yen fraction of Yen should be omitted) and should exclude Indian Agents Commission, if any. In no circumstances the contract value should be expressed in any other currency. The FOB cost and freight amount should be shown separately but it should be clarified in the contract itself whether the freight will be payable on actual basis or whether the freight charges indicated therein would be the payable irrespective of the actual charges.

I(vi) The purchase contract should be entered into only with the Japanese nationals or Japanese judicial persons controlled by Japanese Physical persons.

Section II. The following provision should be specifically incorporated in the supply contract :—

II(i) The contracts arranged in accordance with the Agreement dated the 30th March, 1987 between the Government of India and Japan concerning the Grant Aid of Yen 600 million for 1986-87 and will be subject to the approval of both the Governments.

II(ii) Payments to the suppliers shall be made through an “Authorisation to pay” (A/P) which will be issued by the Controller of Aid Accounts and Audit, Ministry of Finance Department of Economic Affairs UCO Banks Building Parliament Street, New Delhi-110001 in favour of the Bank of India Tokyo under the Japanese Grant Aid for 1986-87.

II (iii) The Japanese suppliers agree to furnish such information and documents as may be required by the Government of India on the one hand and the Government of Japan on the other.

II(iv) The Japanese supplier agree to make shipping arrangements in consultation with the Embassy of India, Tokyo and that for this purpose he would keep the Embassy of India Tokyo informed of the delivery schedule of the goods involved and notify the Embassy of India at least six weeks in advance of the shipping required so that suitable arrangements should be made. In exceptional cases where the importer require it this period of notice may be reduced. The Japanese supplier should also agree to send a cable advice to the importer after each shipment giving the necessary details and a copy thereof should be sent to the Embassy of India Tokyo.

Section III—Contract Approval by Government of India and Japan.

III (i) As soon as the orders are finalised, the importer should forward to the Under Secretary (TC) Department of Economic Affairs, Ministry of Finance North Block New Delhi five copies of the contract duly signed by both parties or purchaser orders by the Indian importer placed on the Japanese suppliers supported by order confirmation in writing by the Japanese supplier of their photo copies complete in all respects together with two copies of the “request for issue of A/P as in the form at Annex I. The above procedure will also apply to all contract amendments causing essential modifications to the contents of contracts or in its price.

III(ii) The Ministry of Finance (DEA) Japan Section will arrange to send 2 copies of the contract to the Government of Japan for their approval for financing under the Japanese Grant Aid for 1986-87 of Yen 600 million, and one set of the documents mentioned in (i) above will also be sent to the CAA&A and the Embassy of India Tokyo simultaneously.

III(iii) On receipt of the contract approval from the Government of Japan the Japan Section of the Department of Economic Affairs Ministry of Finance North Block will inform the Controller of Aid Accounts and Audit Department of Economic Affairs, Ministry of Finance UCO Bank Building Parliament Street, New Delhi-110001 of the same who will issue an “Authorisation to Pay” (A/P) to the Bank of India Tokyo in the form at Annexure II for making payment to the Japanese supplier. Copies of the A/P will

be endorsed to the Embassy of India Tokyo the importer, importer's Bank in India and Japan Section Department of Economic Affairs Ministry of Finance.

III (iv) On receipt of the Authorisation to pay (A/P) the Bank of India Tokyo will intimate the fact of this receipt to the Japanese supplier under intimation to the Government of Japan Embassy of India, Tokyo the importers' Bank in India and the CC&A.

III (v) The Japanese supplier shall, after effecting shipment present through his bankers the documents specified in the AP to the BOL, Tokyo. If the documents are found to be in order the Bank of India, Tokyo will release the amount specified in the documents to the Japanese supplier through his bankers.

III (vi) Banking charges payable to the Bank of India, Tokyo for arranging the payment to the Japanese supplier shall be settled by the concerned importer's bank in India by remittances to the BOI, Tokyo through normal banking channel without affecting the Government of India's account.

Section IV. Responsibility for rupee deposit.

IV (i) The original negotiable shipping documents will be invariably forwarded by the Bank of India, Tokyo, to the concerned importer's bank in India which would be a branch of the State Bank of India or any of the nationalised banks as mentioned in (O) in Annexure-I who should release these negotiable set of documents to the importer concerned only after ensuring that the rupee equivalent of the Yen Payments made to the Japanese supplier alongwith interest charges thereon calculated at the rate of 12% per annum for the first thirty days and at 18% for the period in excess thereof reckoned from the date of payment by the Bank of India, Tokyo to the Japanese Supplier to the date of actual rupee deposit, is deposited into Government of India account in terms of the Public Notice No. 31-ITC (PN) 83 dated 10-3-33 and No. 35-ITC (PN) 83- dtd. 26-8-83. The interest is payable for both the days i.e. the day on which payment is made to the Japanese supplier and also the day on which rupee deposited is made into Government account vide Public Notice No. 74-ITC (PN) 74 dated 31-5-1974 as modified under Public Notice No. 103-ITC (PN) 76 dated 12-10-1976. The exchange rate to be adopted for computing the rupee equivalent of the Yen Payment will be the prevailing composite rate of exchange as laid down in CCI&E Public Notice No. 8-ITC (PN) 76 dated 17-1-1976 or as may be notified by Government from time to time through Public Notices of the CCI&E or through Exchange control circulars of the Reserve Bank of India. Any change in this regard as also in regard to the rate of interest will be notified as and when necessary, it will be the responsibility of the Indian bank concerned to ensure that the amounts due are correctly deposited into Government Account before the import documents are handed over to the importers. The importer should also ensure that the amounts due are correctly deposited into Government account before taking delivery of the documents from their bankers. It is the responsibility of

the importer to ensure that the amounts due are correctly deposited into the Government around promptly even when they obtain delivery of the goods from the customs authorities without original shipping documents under exceptional circumstances. In case the importer fails to deposit the amounts due to Government, before taking delivery of the goods, the issue of further "A/P" to him may be stopped. The Head of Account to which the above rupee deposits should be credited is "K-Deposits and Advances-443-Civil Deposits-Deposits for purchases etc., abroad-purchase under Grant Aid from the Government of Japan for 1986-87 Grant for purchase of fertilizer services for the purpose of increasing food production in India.

IV (ii) The amount referred to above should be deposited in cash to the credit of the Government either in the Reserve Bank of India, New Delhi indicating Code No. 5130000009 on the right hand corner of the Challan or in the State Bank of India, Tis Hazari, Delhi, or if this is not possible should be remitted by means of a demand draft obtained from any branch of the State Bank of India or its subsidiaries or any one of the Nationalised Banks (Drawer) drawn on and made payable to the State Bank of India, Tis Hazari Branch, Delhi-6 (drawee and payee) for credit to Government account as contemplated in Public Notices No. 184-ITC (PN) 68 dated 30-8-1968, No. 233 ITC (PN) 68 dated 24-10-1968 and No. 132-ITC (PN) 71 dated 5-10-1971 No. 74-ITC (PN) 71 dated 31-5-1974 and No. 103-ITC (PN) 76 dated 12-10-1976.

IV (iii) The concerned bank in India shall also furnish such additional deposit in the same manner stipulated above as may be requested by the Government of India on account of service charges within seven days after such a demand is made by the Government. While filling in the various columns in the Challan it should be ensured by the Importers/their bankers that the information prescribed in para 2 of Public Notice No. 132-ITC (PN) 71 dated 5-10-1971 and also in Public Notice No. 74-ITC (PN) 74 dated 31-5-1974 read with Public Notice No. 103-ITC (PN) 76 dated 12-10-1976 is invariably indicated in the column "full particulars of remittances and authority (if any)" of the challan. The following particulars should invariably be furnished in the Treasury Challans :—

- (a) Ministry of Finance 'A/P' (Authorisation to Pay) No. and Date.
- (b) Amount of Yen Currency in respect of which deposits are to be made together with rate of conversion adopted.
- (c) Date of payment to the Japanese supplier.
- (d) The amount of interest paid and the period for which it has been calculated.
- (e) Total amount deposited.

(Interest is to be calculated for the period from the date of payment to the Japanese supplier upto and inclusive of the date of deposit of rupee equivalents into Government Account).

Thereafter the Treasury Challans evidencing the rupee deposit should be sent by registered post to the CAAA indicating reference to the A/P issued by him and also enclosing copies of invoice and shipping documents.

Note : Importer's Bank in India should ensure that the rupee deposits are invariably made within 10 days of the receipt of the advice of payment and negotiable shipping documents from the Bank of India, Tokyo and that the CAA&A, Ministry of Finance (DEA), New Delhi is informed immediately thereafter.

IV (iv) The concerned bank in India should also endorse the amount of rupee deposits on the exchange control copy of the licence and send the requisite "S" Form to the Reserve Bank of India, Bombay.

Section V : Miscellaneous provisions.

V (i) Reports on the utilisation of the Grant Aid.

The importers should make separate arrangements to ascertain the amounts and dates of payments made to the supplier. Late or delayed receipt of shipping etc. documents by the importers Banker will not be acceptable as a reason for waiver of partial or full amount of the interest due on the rupee deposits.

The importer should send a monthly report after the A/P has been issued regarding shipments and payments made there against and about the balance left, to the Controller of Aid Accounts and Audit, Department of Economic Affairs, Ministry of Finance, UCO Bank Building, Parliament Street, New Delhi.

V.(ii) The importer should apprise the supplier of any special provisions in the import of goods under this Grant Aid which may affect the suppliers in carrying out the transaction.

V (iii) Disputes.

It should be understood that the Government of India will not undertake any responsibility for dispute, if any that may arise between the importer and the suppliers. The conditions to be fulfilled by the supplier before payment by the Bank of India, Tokyo must be clearly spelt out by the importer in Annexure-I under "Terms of Payment". Provision dealing with a settlement of disputes be included in the condition of contract.

V (iv) Future Instructions.

The importer shall promptly comply with any directions, instructions or orders issued by the Government of India from time to time regarding any and all matters arising from or pertaining to the imports and for meeting all obligations under the Grant Aid for 1986-87 from Japan.

V (v) Breach or violation.

Any breach or violation of conditions set forth in the above clauses will result in appropriate action under the Imports and Exports (Control) Act.

V (vi) List of Annexures :

Annexure I :—Request for issue of A/P.

Annexure II :—Form of A/P.

Annexure-I

REQUEST FOR ISSUE OF THE AUTHORISATION TO PAY

No.

To

The Controller of Aid Accounts & Audit,
Ministry of Finance,
Department of Economic Affairs,
UCO Bank Building, 1st Floor,
Parliament Street, New Delhi-110001.

Subject :—Import of fertilizer and services necessary for the transportation of the fertilizer to ports in India from Japan under the Japanese Grant Aid of Yen 600 million for 1986-87.

Sir,

In connection with the import of fertilizer from Japan under the above mentioned Grant Aid, we furnish the following particulars to enable you to issue the A/P to the Bank of India, Tokyo in favour of the Japanese Supplier concerned :—

- (a) Name and address of Indian importer.
- (b) Number, date and value of the import licence and date upto which it is valid.
- (c) Method of procurement whether it is based on direct purchase or limited open tendering in which case it should be indicated whether the contract has been awarded on the basis of technically suitable offer with reasons, if any.
- (d) Brief description of the goods.
- (e) Origin of the goods.
- (f) Gross C&F value of contract (in Yen).
- (g) Amount of Indian agents commission (in Yen), if any, payable in Indian rupees.
- (h) Net C&F Value (in Yen) for which the A/P is required.
- (i) Number and date of the contract with Japanese Suppliers.
- (j) Name and address of the Japanese Supplier.
- (k) Payment terms and probable dates on which payments under the contract will fall due.
- (l) Expected date of completion of deliveries.
- (m) Documents to be presented at the time of payment to Bank of India, Tokyo (indicating No. of sets of each and their disposal).

- (n) Shipment instructions (indicate if transshipment/part shipment permitted or not permitted).
- (o) Name and address of the Importer's bank in India.
- (p) Who will bear the banking charges of the B.O.L., Tokyo-importer or supplier, please specify.
- (q) Undertaking by the importer :—"We hereby undertake to make full and correct deposit of the rupee equivalent etc., of the payment made to the foreign supplier in the manner and at the rate prescribed by Government. The deposits will be made promptly before taking delivery of each consignment of the goods (material imported). In case of payments for services of foreign nationals, the deposits will be made as soon as the relevant invoices of the foreign suppliers are approved by us and the payments made to suppliers".

Yours faithfully,

Authorisation to Pay No.

Annexure-II

No. F.

Government of India
Ministry of Finance
Department of Economic Affairs.

New Delhi, the...

To

The Bank of India,
Tokyo Branch,
Tokyo (Japan).

Subject :—Import of fertilizer and services necessary for the transportation of the fertilizer to ports in India from Japan under Japanese Grant Aid of Yen 600 million for 1986-87
Issue of Authorisation to pay

Dear Sirs,

In accordance with the terms and conditions of the agreement dated 27-11-1982 entered into with your Bank, you are hereby authorised to pay an amount not exceeding Yen... to M/s... as per details given in the appendix.

2. Please advise the Supplier of the fact of receipt of this Authorisation to Pay (A/P) and endorse a copy of this advice to the Government of Japan, Importers Bank, Embassy of India, Tokyo and this Ministry.

3. Payments to the suppliers in terms of the A/P will be made on the basis of shipping documents as indicated in the Appendix.

367 GI/87—2

4. On making payment to the foreign suppliers, you should send to..... (Name & address of importers' Banker) the original shipping documents negotiable, as well as additional complete set of the documents and a copy the debit advice for the payments made to the supplier including the down payment if any.

5. Banking charges including charges for handling documents and charges of Overseas Suppliers, Bankers if any, payable to you by the importer, will be settled directly by the importer's bank.

6. As and when any payment is made by you on the basis of shipping documents presented by the Japanese supplier, an advice in the prescribed form should be sent to this Ministry and the importers' bank.

7. No amendment to this A/P may be advised in the absence of a specific Authority from this Ministry.

8. This A/P will remain valid upto

9. Please quote the number given at the top of this Authorisation of Pay in all correspondence relating to the contract and also in the advices showing payment

Yours faithfully,
Accounts Officer

Copy forwarded to :—

1. Importer..... with reference to their Letter No..... dated..... They are requested to arrange to deposit through their Bankers, the rupee deposits etc. at the prescribed rate and manner, before taking delivery of the negotiable documents from the Bankers. In case due to exceptional circumstances delivery of goods is obtained directly from the Customs and Port authorities without furnishing the original shipping documents, the deposits should be made before taking the delivery. In the case of payments for services rendered by foreign Nationals, the deposits should be made as soon as the relevant invoices are approved for payment. Failure to make the deposits promptly and correctly may entail action as mentioned in the licensing conditions.

2. Importers' Banker.....

(i) This Authorisation to Pay is issued under the relevant Licensing conditions governing the imports under Yen grants. The licensing conditions and connected Public Notices/order etc may be referred to and appropriate action taken concerning the import/foreign payments.

(ii) They are requested to arrange to deposit the rupee equivalent of the Yen payments to the Japanese suppliers on receipt of the documents from the Bank of India, Tokyo Branch. The rupee equivalent of amount disbursed to the suppliers will have to be calculated by applying the composite rate of conversion as prevailing on the date of payment to

Japanese suppliers in accordance with the Public Notice No. 8-ITC(PN) 76 dated 17-1-1976 or such other Public Notices as may be issued from time to time. Interest @ 12% per annum for the first thirty days and at the rate of 18% per annum for the period excess thereof reckoned for the period between the date of payment to the supplier and the date on which the rupee equivalents are deposited into the Government account, is required to be deposited into the Government of India's account in terms of Public Notices No. 31 ITC(PN) 83 dated 10-8-1983 and No. 35 ITC(PN) 83 dated 26-8-83. The interest is payable for both the days i.e. the day on which payment is made to the Japanese supplier and also the date on which rupee deposit is made into the Government account. (Any change in this rate will be notified if and when made).

It should be ensured that these deposits are made before the original set of impor. documents are handed over to the importer for Customs Clearance.

(iii) These amounts should be deposited either with RBI, New Delhi indicating Code No. 5130000009 on the right hand corner of the Challan or in the S. B. I. Tis Hazari, Delhi or remitted by means of Demand Draft obtained by them from any Branch of the S. B. I. or its subsidiaries or any one of the Nationalised Banks (Drawer) Drawn on and made payable to the S. B. I. Tis Hazari, Delhi-6 (Drawee and Payee). In this connection their attention is also invited to the provisions of the Public Notices No. 233-ITC (PN) 65 dated 24-10-68, No. 132-ITC(PN) 71 dated 5-10-1971, No. 74-ITC (PN) 74 dated 31-5-1974 and No. 103-ITC(PN) 76 dated 12-10-1976. The head of account to be credited is 'K-Deposits & Advances-843-CIVIL Deposits-Deposit for purchases etc. abroad-Purchases under Grant Aid from Govt. of Japan "for 1986-87 under detailed head "Yen 600 million grant aid for purchases of fertilizer/services for the purpose of increasing food production in India."

(iv) One copy of the Challan in original, in cases where the rupee equivalents are credited in cash at the RBI, New Delhi or the SBI Tis Hazari, Delhi as prescribed in Public Notice No. 132-ITC(PN) 71 dated 5-10-1971, should be sent by them to the address given below alongwith a forwarding letter giving full details of the advice notices received from the Bank of India, Tokyo Branch.

The Controller of Aid Accounts & Audit, Ministry of Finance (Department of Economic Affairs), 1st Floor, UCO Bank Building, Parliament Street, New Delhi-110001.

(v) In cases where the rupee equivalents are remitted by means of demand drafts as laid down in the Public Notice dated 24-10-1968 mentioned above, intimation thereof should be sent to the address given above. In all cases, full particulars of the rupee equivalents deposited alongwith the amount of interest paid and the period for which interest has been calculated should be furnished to this Department.

(vi) The banking charges, of the Bank of India, Tokyo Branch, including charges of the overseas suppliers bankers, if any, should be settled directly between the Indian Bank and the B.O.I., Tokyo.

(vii) The Banks' duties and responsibilities as authorised Dealer in foreign exchange are prescribed in various AD Circulars of the R.B.I. Specific reference in this regard is invited to A.D. Circular No. 22 dated 18-6-1977.

3. Embassy of India, Tokyo.

4. The Under Secretary (Japan Section), Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, New Delhi with reference to I. D. No.
dt.

()
Accounts Officer